Tender Heart High School, Sector - 33 -B, Chandigarh.

कक्षा - तीसरी
विषय - हिन्दी सुलेख

दिनांक - 08 अप्रैल, 2024
शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा
श्रीमती सुमन शर्मा

पुस्तक : सरल हिन्दी सुलेख भाग-3

प्यारे बच्चो !

पिछले सप्ताह आपको सुलेख लिखने के लिए कुछ नियम बताए गए थे। आशा है कि आपने उन नियमों को ध्यान में रखकर ही सुलेख का अभ्यास किया होगा। प्रत्येक विद्यार्थी के लिए सुलेख का अभ्यास करना आवश्यक है। सुलेख लिखते समय अक्षरों की बनावट पर विशेष रूप से ध्यान देना चाहिए। अक्षरों की बनावट सही होने से आपकी लिखाई स्वयं ही सुन्दर बन जाएगी। इसके लिए सभी छात्र अलग एक अभ्यास पुस्तिका में भी अभ्यास कर सकते हैं। अभ्यास पुस्तिका में सभी विद्यार्थी स्वर का अभ्यास करेंगे। स्वरों का अभ्यास करते समय आपने हाथ की गति को धीमे रखना है और इनका अभ्यास बोलकर भी करना है। अक्षरों का आकार न अधिक बड़ा न अधिक छोटा होना चाहिए। स्वरों का अभ्यास इस प्रकार से किया जाना चाहिए :-

स्वर

कक्षा - तीसरी
विषय - हिन्दी सुलेख

दिनांक - 08 अप्रैल, 2024
शिक्षिका - श्रीमती कल्पना शर्मा
श्रीमती सुमन शर्मा

इस प्रकार इस अभ्यास के द्वारा हर विद्यार्थी अपनी लिखाई में सुधार कर सकता है। इसे सभी विद्यार्थी नियमानुसार ही करेंगे। अभ्यास करते समय निश्चित दूरी बनाए रखें एवं तीखी पेंसिल का ध्यान ज़रूर रखें।

गृहकार्य

सभी छात्र पृष्ठ संख्या - 2 को 'सरल हिन्दी सुलेख' पुस्तक पर लिखने का अभ्यास करेंगे। सुलेख लिखने के लिए ऊपर बताई गई बातों को भी ध्यान में रखना आवश्यक है।

धन्यवाद।

[Last Page]

राष्ट्रभाषा के बिना राष्ट्र गूंगा है।

राष्ट्रभाषा के बिना राष्ट्र गूंगा है।

जीवन में सबसे बड़ी कला तपस्या है।

जीवन में सबसे बड़ी कला तपस्या है।

दिनांक .....

हस्ताक्षर .....